Bihar Board Class 7 Hindi Notes Chapter 5 वीर कुँवर सिंह

वीर कुँवर सिंह Summary in Hindi

संक्षिप्त जीवन परिचय – बाबू वीर कुंवर सिंह स्वतंत्रता सेनानी में अग्रणी हैं।

इनका जन्म बिहार राज्य के आरा जिला अन्तर्गत जगदीशपुर नामक गाँव में 1782 ई. में हुआ था। इनके पिता साहबजादा सिंह जगदीशपुर रियासत के जमींदार थे। माता का नाप पंचरल कुँवर था। इनकी शिक्षा संस्कृत और फारसी भाषा में घर पर ही हुई। बाबू वीर कुंवर सिंह का मन विशेषतः घुड़सवारी, तलवारबाजी और कुश्ती लड़ने में लगता था।

1827 में पिता की मृत्यु के बाद बाबू वीर कुंवर सिंह जगदीशपुर रियासत के राजा बनाये गये। उस समय अंग्रेजों का अत्याचार चरम सीमा पर पहुँच गया था। अतः इन्होंने अंग्रेजों से लोहा लेने की बात सोच ली।

जब 25 जुलाई, 1857 के दिन दानापुर छावनी के सैनिकों ने विद्रोह कर दिया तथा वीर कुंवर सिंह को अपना सेना नायक मानकर 27 जुलाई, 1857 को आरा पर कब्जा कर लिया। अब अंग्रेजों का दमन चक्र चालु हुआ तथा बाबू वीर कुंवर सिंह के रियासत जगदीशपुर पर 13 अगस्त, 1857 को अधिकार कर लिया।

बाबू वीर कुंवर सिंह घबराने वाले नहीं थे। उन्होंने रीवा, काल्पी, कानपुर और लखनऊ आदि रियासत के राजाओं से मिलकर सभी राजाओं की संयुक्त सेना को लेकर आजादी के लिए अनेक भीषण युद्ध किये। 22 मार्च, 1858 को इन्होंने अंग्रेजी सेना को हराकर आजमगढ़ पर अधिकार किया। पुनः 23 अप्रैल, 1858 को जगदीशपुर को भी अपने अधिकार में ले लिया। इस दिन को आज भी “विजय उत्सव” के नाम से लोग मनाते हैं। इसी रोज अंग्रेजों का झंडा (यूनियन जैक) को उतारकर बांबू वीर कुंवर सिंह जी ने अपना झंडा फहराया था।

इसी रोज जब बाबू वीर कुंवर सिंह गंगा पार कर रहे थे तो पीछे से अंग्रेजों. ने उनकी बाँह में गोली मार दी थी। बाबू वीर कुंवर सिंह ने अपनी बाँह को काटकर गंगा माता को अर्पित कर दिया था। 26 अप्रैल, 1858 के दिन वीर शिरोमणि का देहान्त हो गया।

इस प्रकार स्वतंत्रता के महान नायक वीरों में अग्रणी बाबू वीर कुंवर सिंह अपने शौर्य-पराक्रम, वीरता एवं रण-कुशलता के लिए आज भी प्रसिद्ध हैं।

उनकी वीरता का वर्णन करते हुए किसी कवि ने लिखा है-

अस्सी वर्षों की हड्डी में, जागा जोश पुराना था,
सब कहते हैं, कुँवर सिंह भी बड़ा वीर मर्दाना था।

https://www.evidyarthi.in/